Supply Chain Management in Hindi PDF

सप्लाई चैन मैनेजमेंट यानि कि आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन खरीद, जो कॉमर्स में ऑपरेशनल मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स और मार्केटिंग चैनलों की एक प्रणाली से संबंधित है। जिसमे कच्चा माल मिलने से लेकर सामान बनने और कस्टमर तक पहुँचने की प्रक्रिया शामिल हैं।

जब भी किसी बिज़नेस में कोई सामान बनता है, तो उस सामान का कच्चा माल मिलने से लेकर वह सामान बनना और कस्टमर तक पहुँचने तक की प्रक्रिया जिस चैन से होकर गुजरती है, उसे सप्लाई चैन कहते हैं। किसी भी बिज़नेस में इस चैन के बिना कस्टमर तक सामान नहीं पहुँच सकता।

ऐसे करें सप्लाई चैन मैनेजमेंट

सप्लाई चैन मैनेजमेंट के घटक में कच्चा माल सप्लाई करने वाला, निर्माता, डिस्ट्रीब्यूटर, रिटेलर और कस्टमर तक माल पहुंचाना शामिल है। लेकिन सप्लाई चैन मैनेजमेंट करने के लिए कुछ ज़रूरी स्टेप्स होते हैं, जानिये इन स्टेप्स के बारे में –

1. **प्लानिंग करना** :

सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लिए सबसे पहले कस्टमर की ज़रूरतों को समझना ज़रूरी होता है। इसके लिए कम्पनियां या तो खुद या फिर किसी सर्वे करवाने वाली एजेंसियों के जरिये सर्वे करवाती हैं। इस सर्वे के आधार पर ही कंपनियां कस्टमर की ज़रूरतों को समझती हैं।

2. **चैन के घटकों को बनाना** :

   सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लिए सबसे ज़रूरी होता है चैन के सभी घटकों को ढूँढना और चैन बनाना। अगर इस चैन का एक भी घटक सही से काम नहीं करता है, तो कस्टमर तक समय पर माल नहीं पहुँच पाता है। इसके लिए कंपनी को सही डिस्ट्रीब्यूटर, रिटेलर आदि को ढूँढना होता है।

3. **प्रोडक्ट का निर्माण करना** :

   आपने कस्टमर की ज़रूरतों को समझ लिया और चैन के लिए अच्छे घटक भी चुन लिए। अब अगला काम होगा प्रोडक्ट का निर्माण करना, उसकी टेस्टिंग करना और सही से पैकिंग करके उसे कस्टमर तक पहुंचाने के लिए तैयार रखना।

4. **प्रोडक्ट डिलीवर करना** :

   सप्लाई चैन मैनेजमेंट का उद्देश्य होता है कस्टमर तक प्रोडक्ट पहुंचाना। आज के समय में इसके 2 तरीके हो गए हैं - पहला डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेलर के ज़रिये और दूसरा ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के ज़रिये। इन दोनों के द्वारा जब कस्टमर तक प्रोडक्ट सही तरीके से पहुँच जाता है, तब सप्लाई चैन मैनेजमेंट का एक बहुत बड़ा हिस्सा पूरा हो जाता है।

Bada Business
An Initiative By Dr. Vivek Bindra

5. **प्रोडक्ट को रिटर्न करना** :

   जब कस्टमर तक माल पहुंचता है, तब कई बार प्रोडक्ट में कोई डिफेक्ट होता है। ऐसे में कस्टमर चाहते हैं कि उसे डिफेक्ट-फ्री प्रोडक्ट मिले। कंपनी को इस बारे में एक रिफंड पॉलिसी बनानी चाहिए, जिसमें कस्टमर या तो अपना प्रोडक्ट रिप्लेस करवा सके या फिर उसे उसका पैसा रिफंड हो जाए। ऐसा करने से कस्टमर का कंपनी में ट्रस्ट बनता है, जिससे वह आगे भी कंपनी का प्रोडक्ट इस्तेमाल करता है और दूसरों को भी उस प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने की सलाह देता है।

सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लाभ

कोई भी बिज़नेस बिना अच्छी सप्लाई चैन के सफल नहीं हो सकता, यही कारण है कि हर कंपनी हमेशा सप्लाई चैन मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देती है।

आइये जानते हैं सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लाभ-

- **मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन कॉस्ट कम होना** :

हमें अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग करने में बहुत खर्च करना पड़ता है। इसके साथ ही यदि कंपनी खुद के शोरूम शुरू करेगी, तो उसमें भी बहुत कॉस्ट लगती है। ऐसे में यदि कंपनी सही तरीके से सप्लाई चैन बनाती है और उसका मैनेजमेंट करती है, तो मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन कॉस्ट में कमी हो सकती है।

सप्लाई चैन मैनेजमेंट के बारे में और अधिक जानने के लिए इस वीडियो लिंक पर क्लिक करें:

- **सुदूर क्षेत्रों तक पहुंच** :

  यदि कंपनी अपने शोरूम शुरू भी करती है, तो भी यह ज़रूरी नहीं कि सुदूर क्षेत्रों तक हमारा प्रोडक्ट पहुंच जाए। इसके स्थान पर यदि हम सुदूर क्षेत्रों में लोकल डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेलर ढूंढ लें, तो आसानी से दूर के लोकल मार्केट में भी हमारी पहुंच हो जायेगी।

- **ट्रस्टवर्थी पार्टनर** :

  जब कंपनी किसी को डिस्ट्रीब्यूटर या रिटेलर चुनती है, तो उसकी मार्केट में क्या गुडविल है, वह अपना काम कितना सिस्टमेटिक तरीके से करता है, ऐसी कई बातों का ध्यान रखती है। ऐसे में जब कोई कंपनी अच्छे डिस्ट्रीब्यूटर या रिटेलर को चुनती है, तो उसकी मार्केट में अच्छे साख के कारण भी उसका प्रोडक्ट ज्यादा बिकता है।

जब कोई कंपनी अपनी पूरी सप्लाई चैन को अच्छे से समझकर अच्छे से सप्लाई चैन मैनेजमेंट करती है, तो उस कंपनी के मुनाफे में और ओवरऑल टर्नओवर में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हो सकती है। यदि आप भी अपने बिज़नेस को सफल बनाना चाहते हैं, तो सप्लाई चैन मैनेजमेंट को सही पर ध्यान ज़रूर दें।

Bada Business
An Initiative By Dr. Vivek Bindra

आपको हमारा आर्टिकल कैसा लगा और सप्लाई चैन मैनेजमेंट के बारे में यह जानकारी आपको कैसी लगी, हमें कमेंट करके ज़रूर बताएं। इसके अलावा अगर आप स्टूडेंट हैं, खुद का कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या बिजनेस कर रहे हैं या आप किसी भी प्रकार से कमाई करना चाहते हैं, तो आपको बिज़नेस कोच डॉ विवेक बिंद्रा के "Anybody Can Earn" वेबिनार का हिस्सा ज़रूर बनना चाहिए।